मुर्गियों की गिनती

पोली

टोबी अपने गाँव की सबसे बेहतरीन मुर्गी का मालिक था.
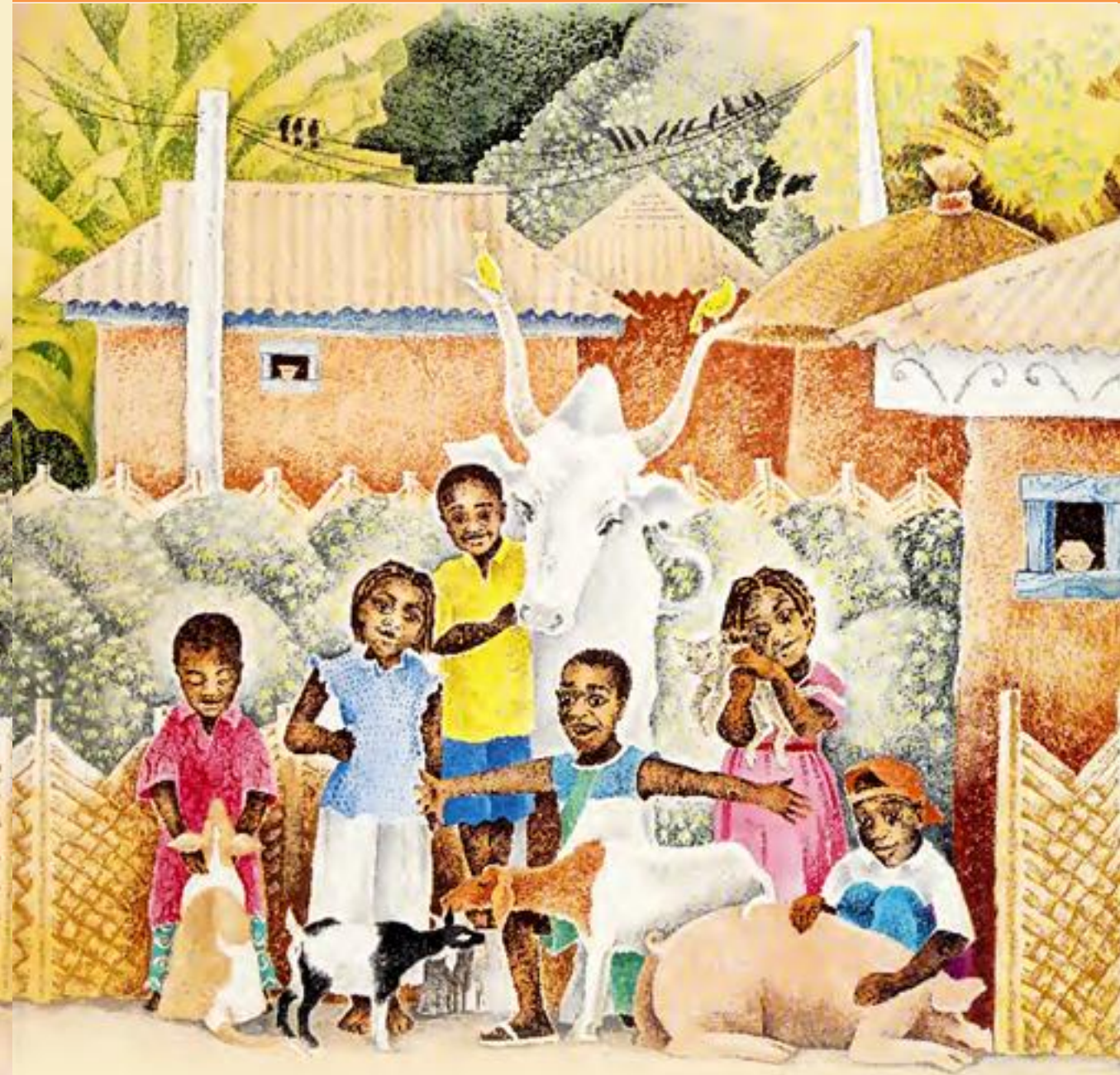
टोबी के सभी दोस्तों के पास अपने-अपने जानवर थे.
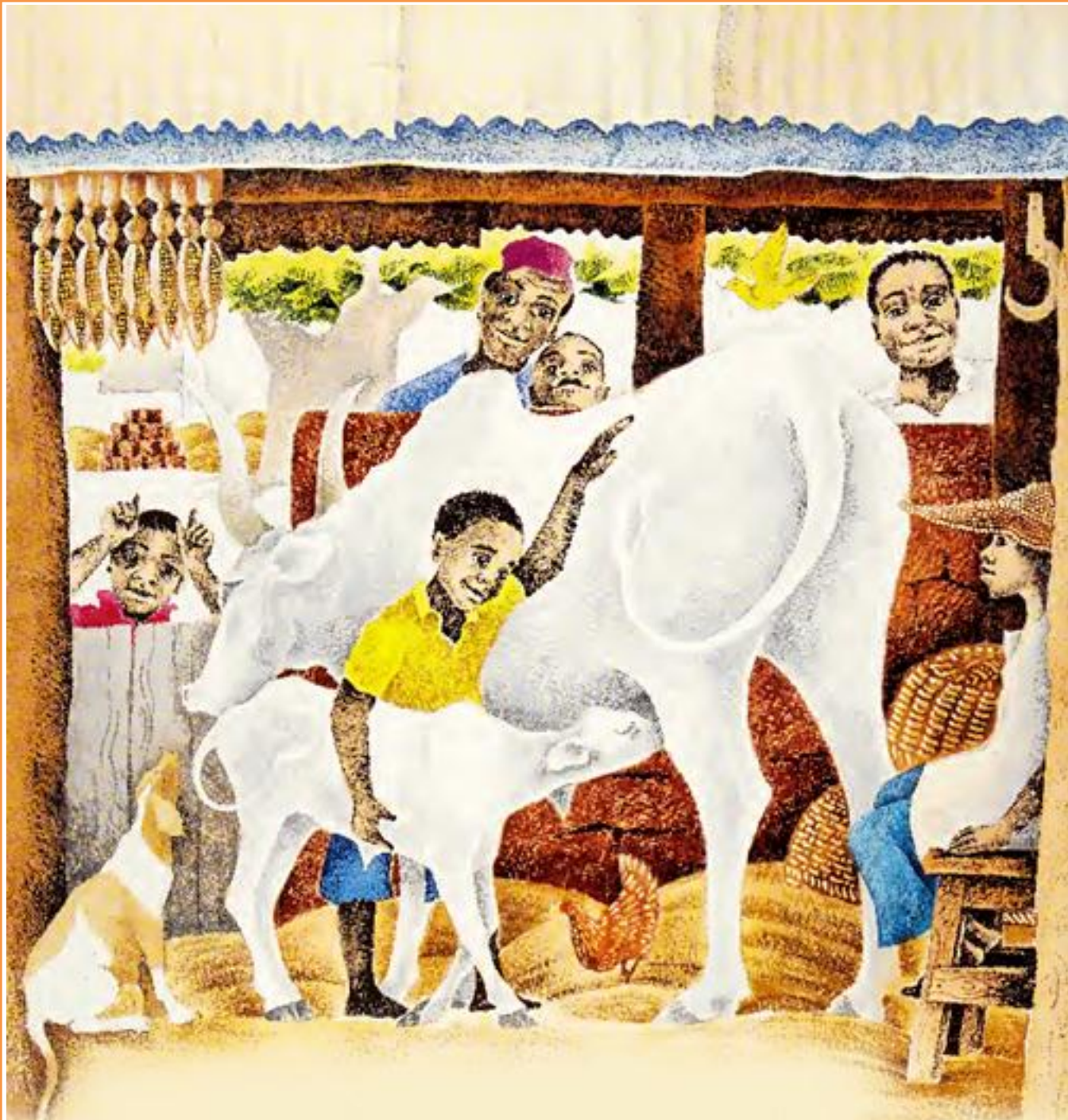
सोमवार को, एडी की गाय ने बछड़ा जना.
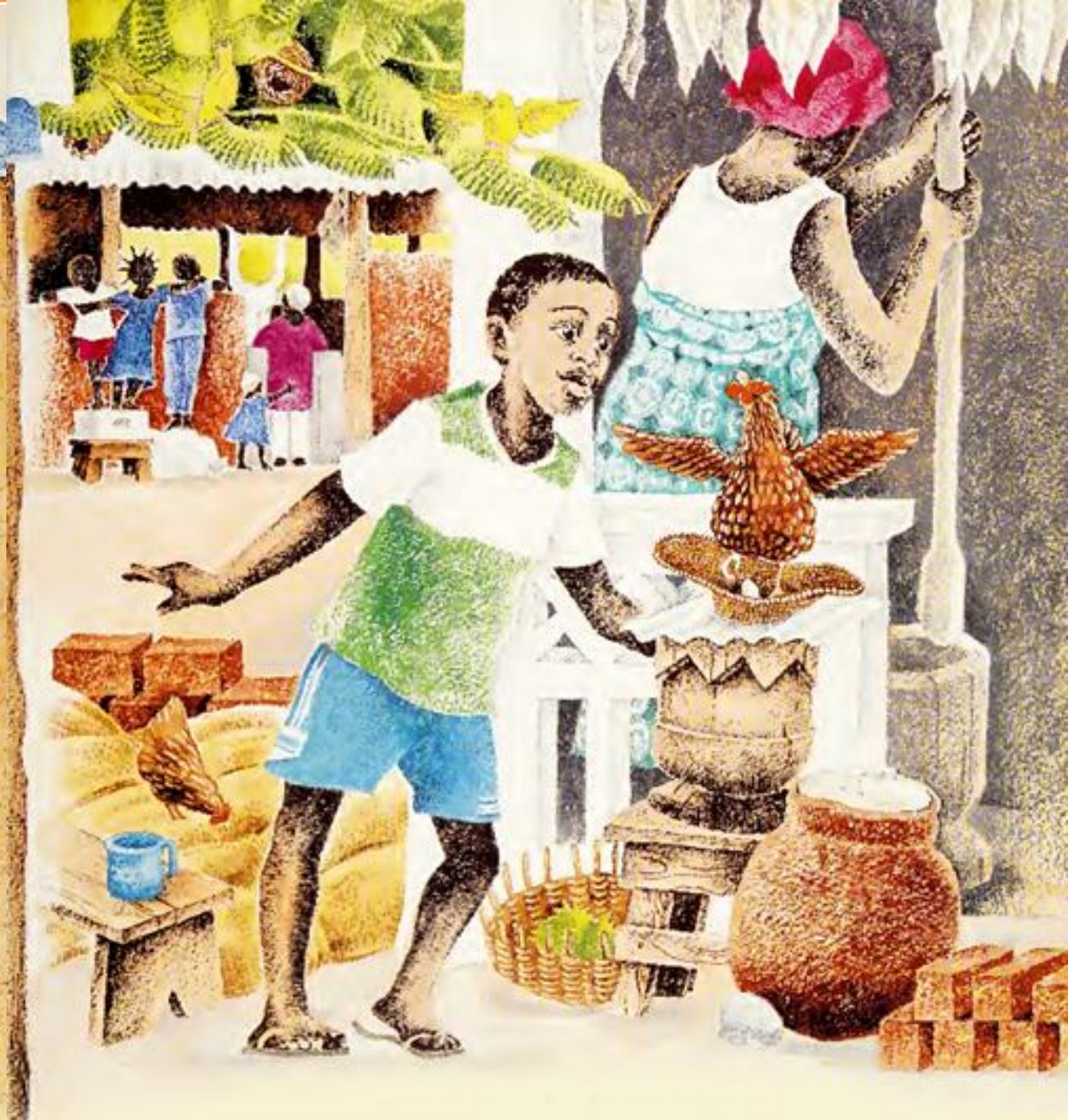
टोबी की मुर्गी ने एक अंडा दिया.

मंगलवार को, टुंडे की भेड़ के दो मेमने हुए.
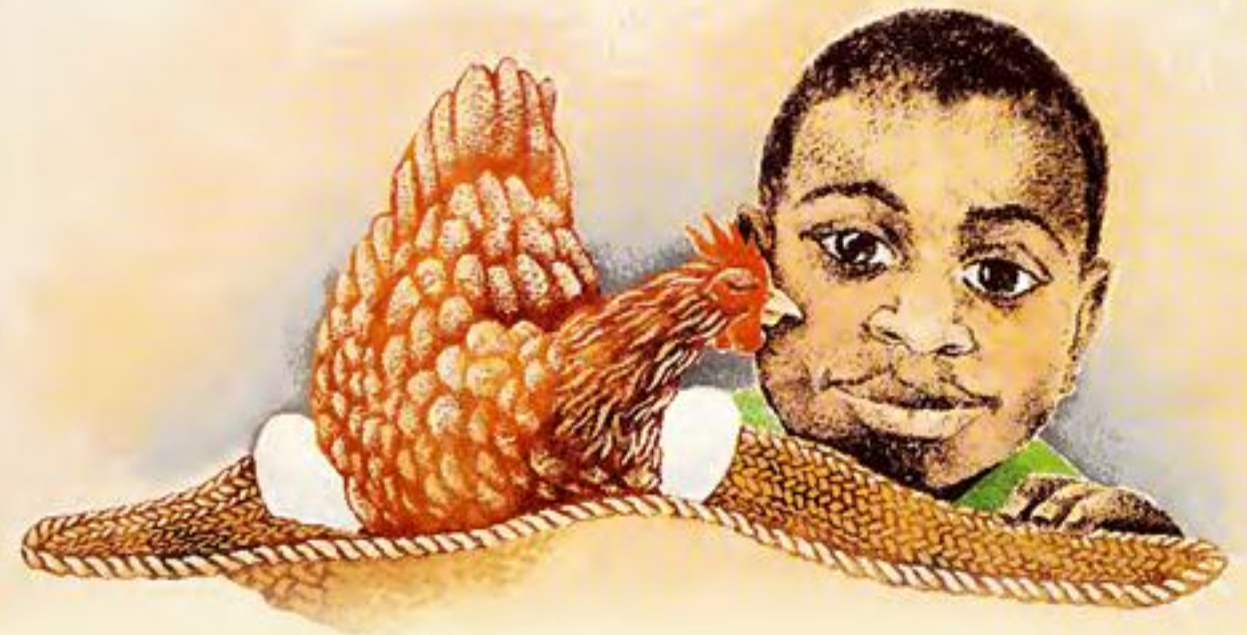
टोबी की मुर्गी ने एक दूसरा अंडा दिया.

बुधवार को, बीसी की बकरी ने तीन बच्चे जने.

टोबी की मुर्गी ने तीसरा अंडा दिया.
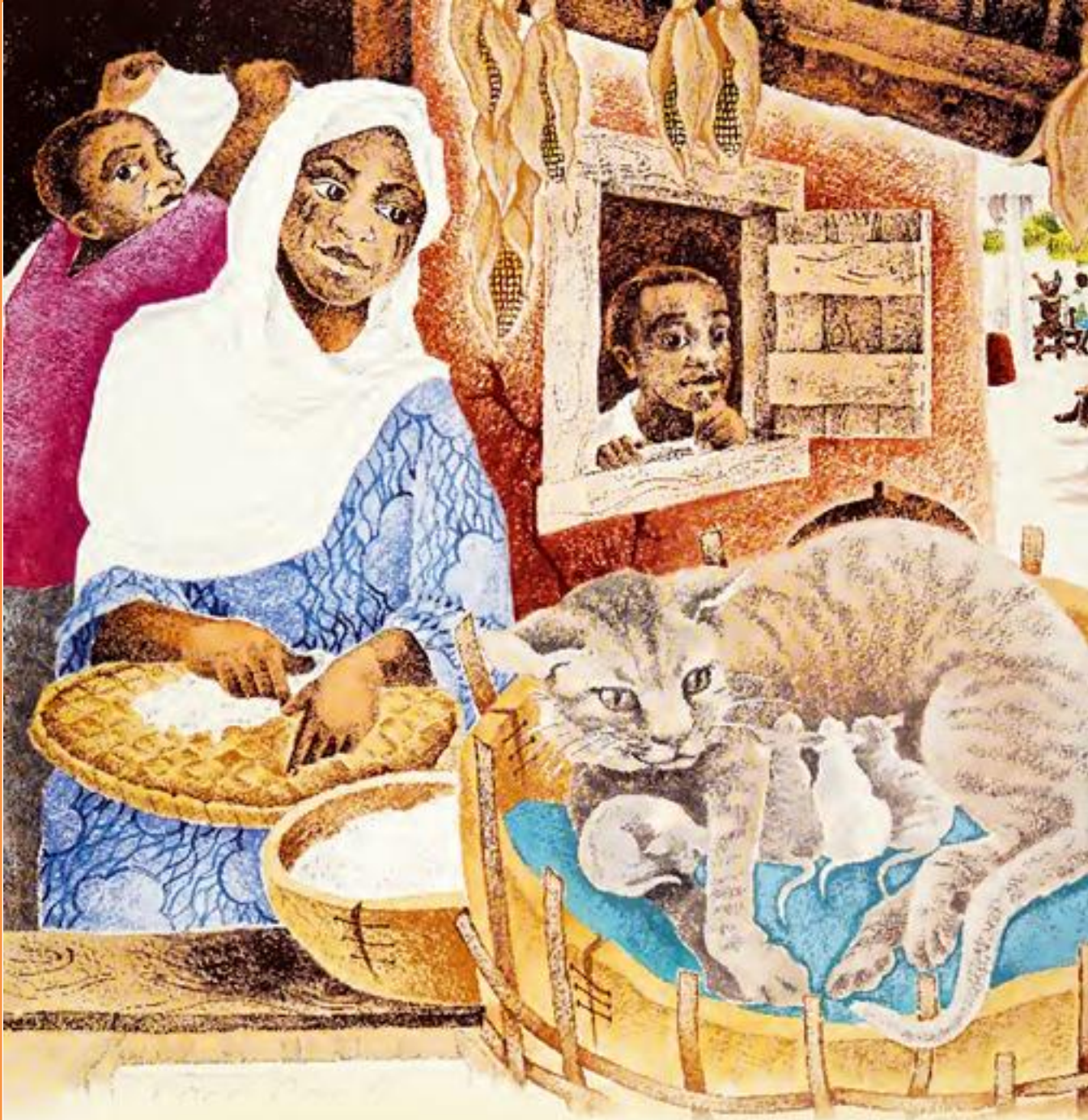
गुरुवार को, अडुके की बिल्ली के चार बच्चे हुए.
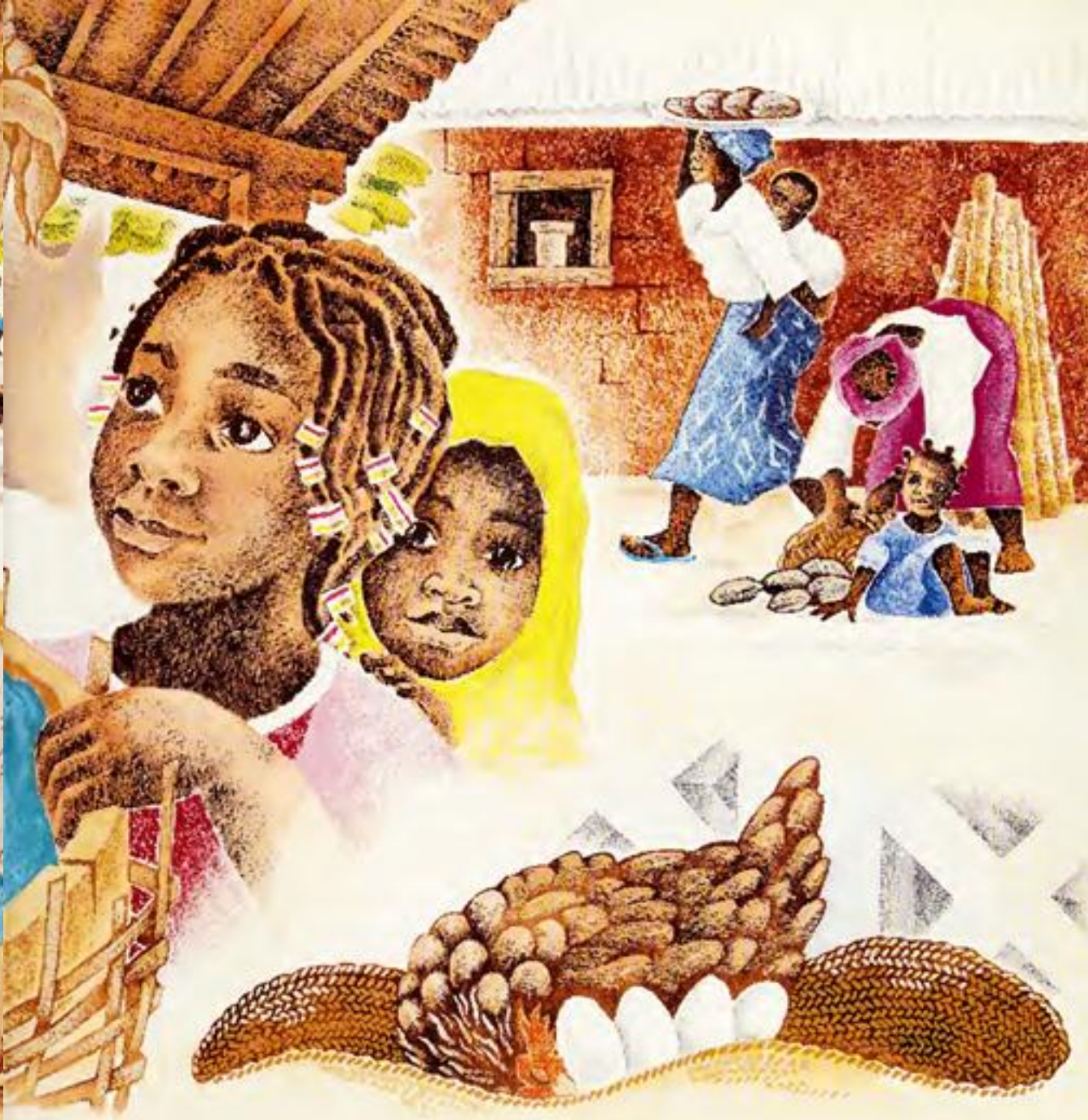
टोबी की मुर्गी ने एक चौथा अंडा दिया.

शुक्रवार को, लोलू के कुत्ते के पांच पिल्ले हुए.
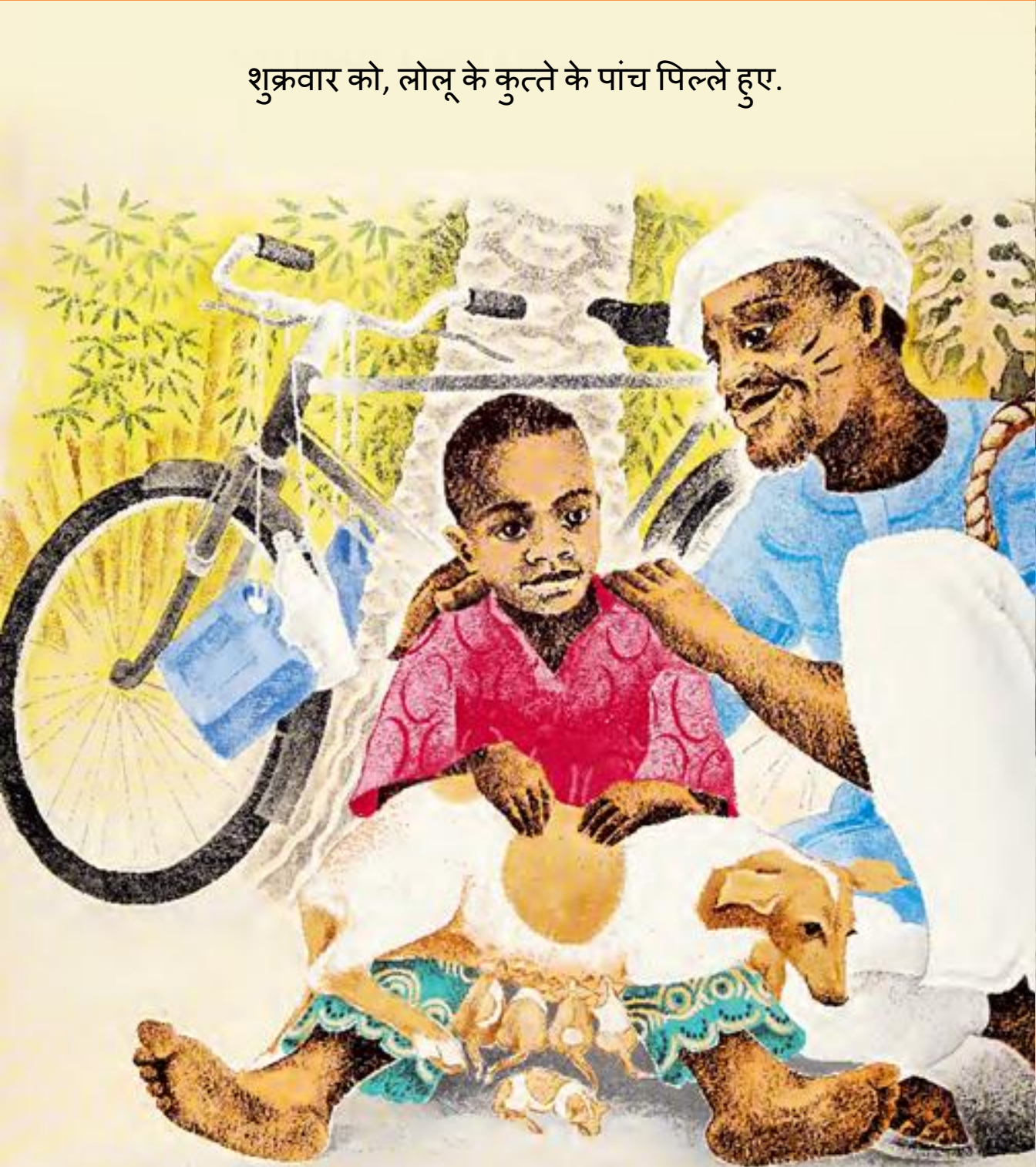
टोबी की मुर्गी ने पांचवा अंडा दिया.

शनिवार को डापो के सुअर के छह पिले हुए.
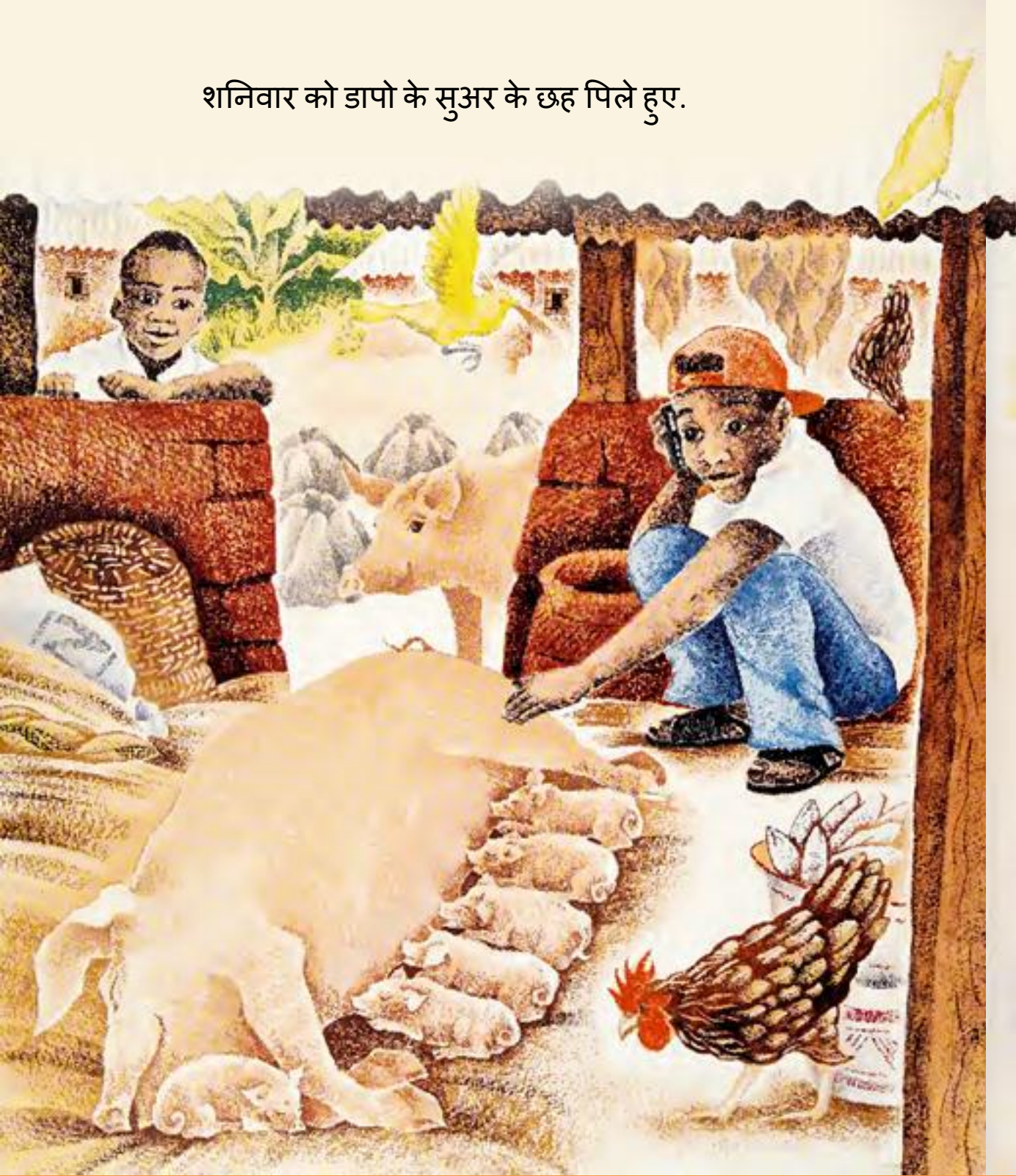
टोबी की मुर्गी ने छठा अंडा दिया.

रविवार को टोबी की मुर्गी ने सातवाँ अंडा दिया.

और वे वहीं बैठकर इंतज़ार करने लगे.

एक हफ्ते बाद, एडी का बछड़ा जोर से
मिमियाया. टुंडे के मेमने दौड़ने लगे.
बीसी के बच्चे उछलने लगे,
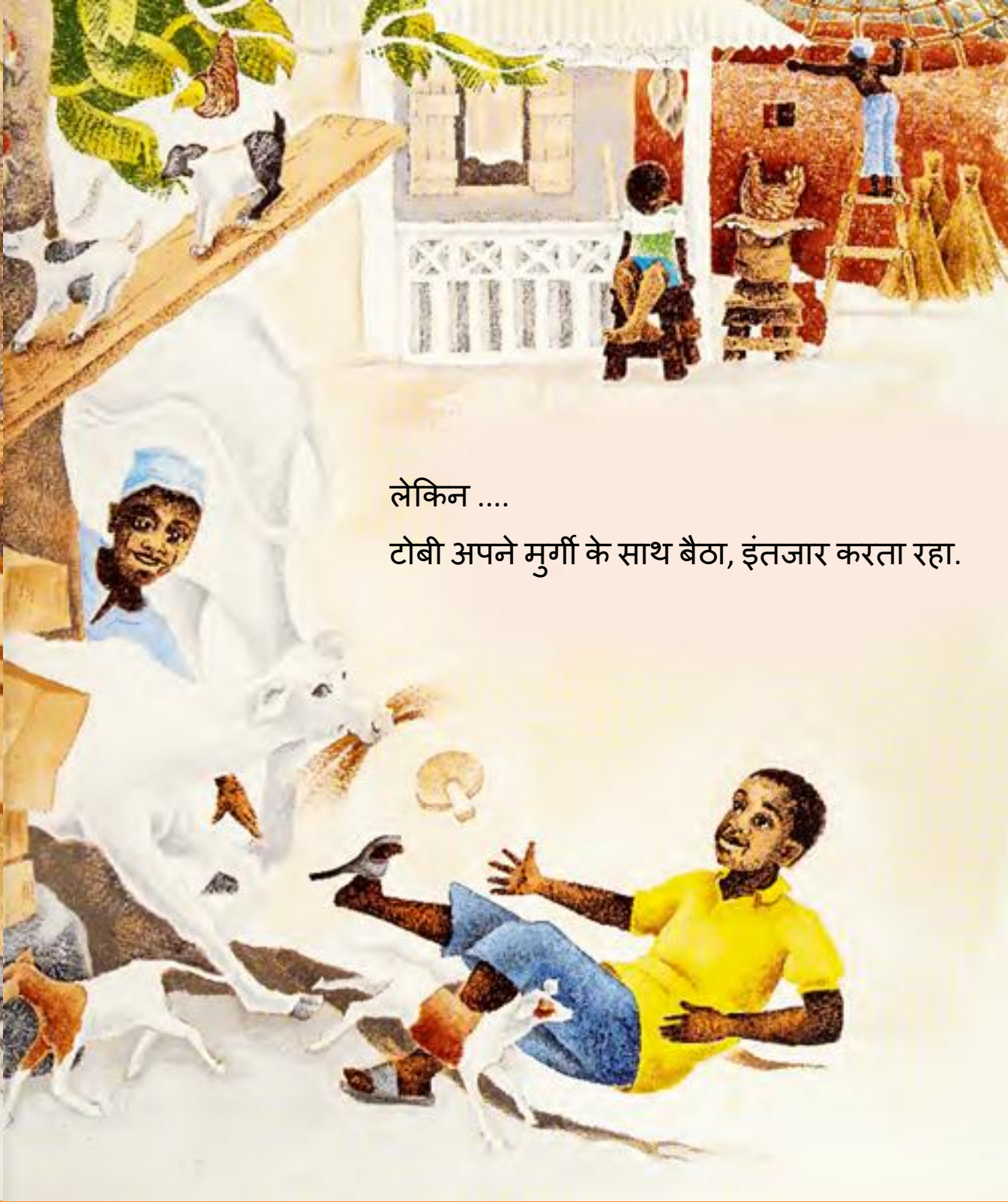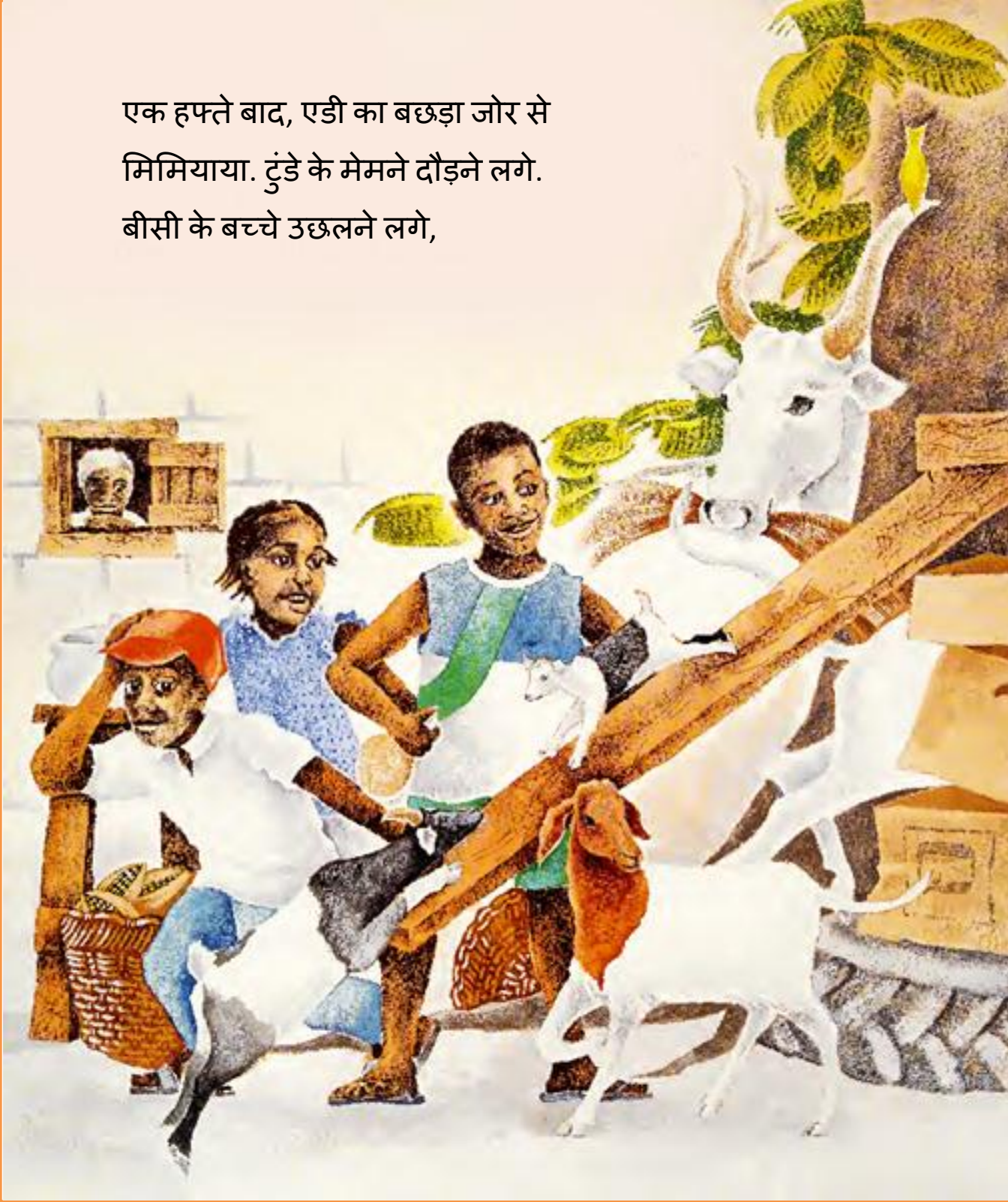
लेकिन ....
टोबी अपने मुर्गी के साथ बैठा, इंतजार करता रहा.

दो सप्ताह बाद, अडुके के बिल्ली के बच्चे अपनी पूंछों का पीछा करने लगे. लोलू के पिल्लों ने, बिल्ली के बच्चों का पीछा किया.

डापो के सूअर के बच्चे धूल में लोटने लगे.
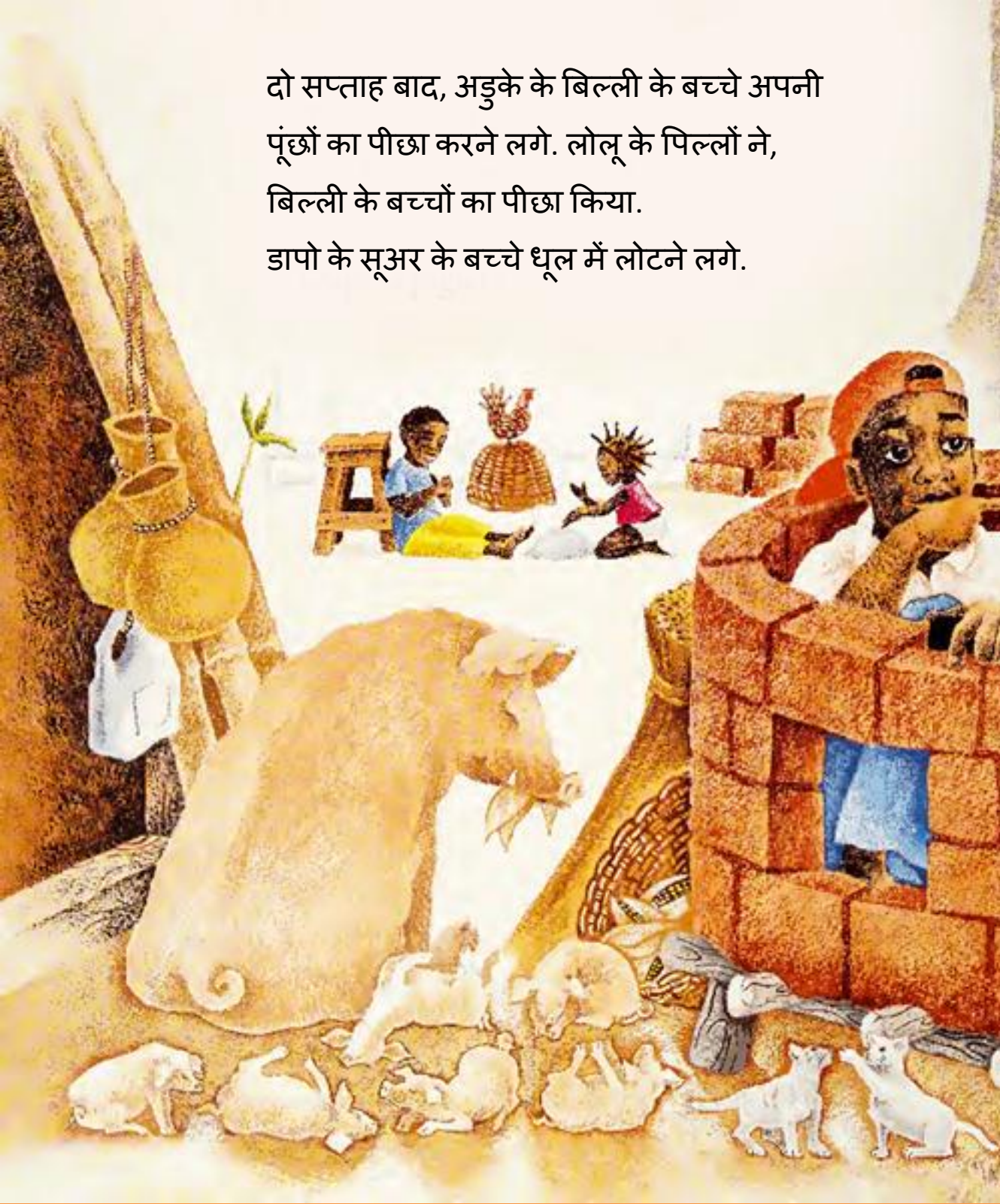
लेकिन....

टोबी अभी भी अपनी मुर्गी के साथ बैठा, इंतजार कर रहा था.
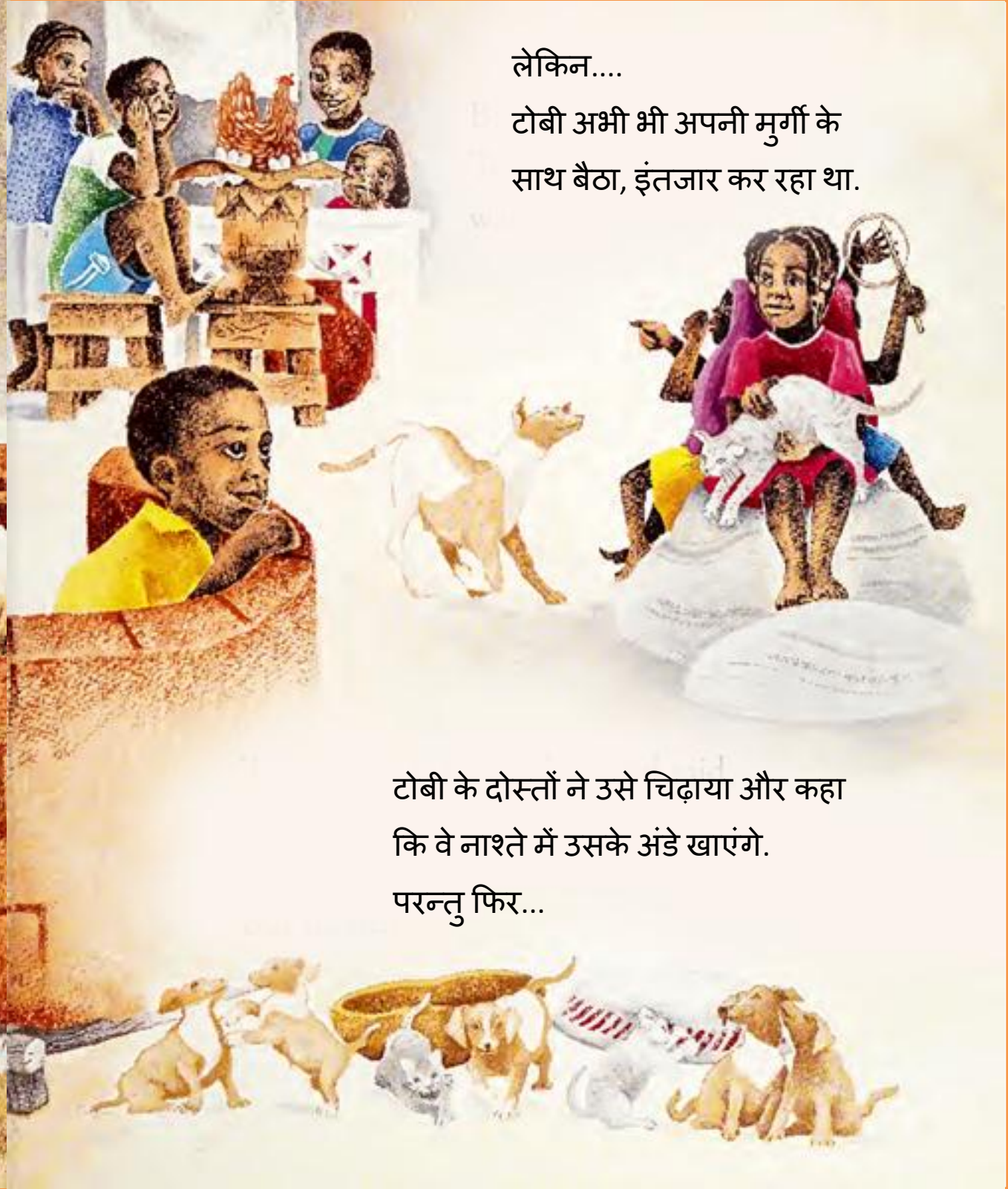
टोबी के दोस्तों ने उसे चिढ़ाया और कहा कि वे नाश्ते में उसके अंडे खाएंगे.

परन्तु फिर...

इक्कीस दिनों के बाद, अब टोबी को
और इंतजार नहीं करना पड़ा.
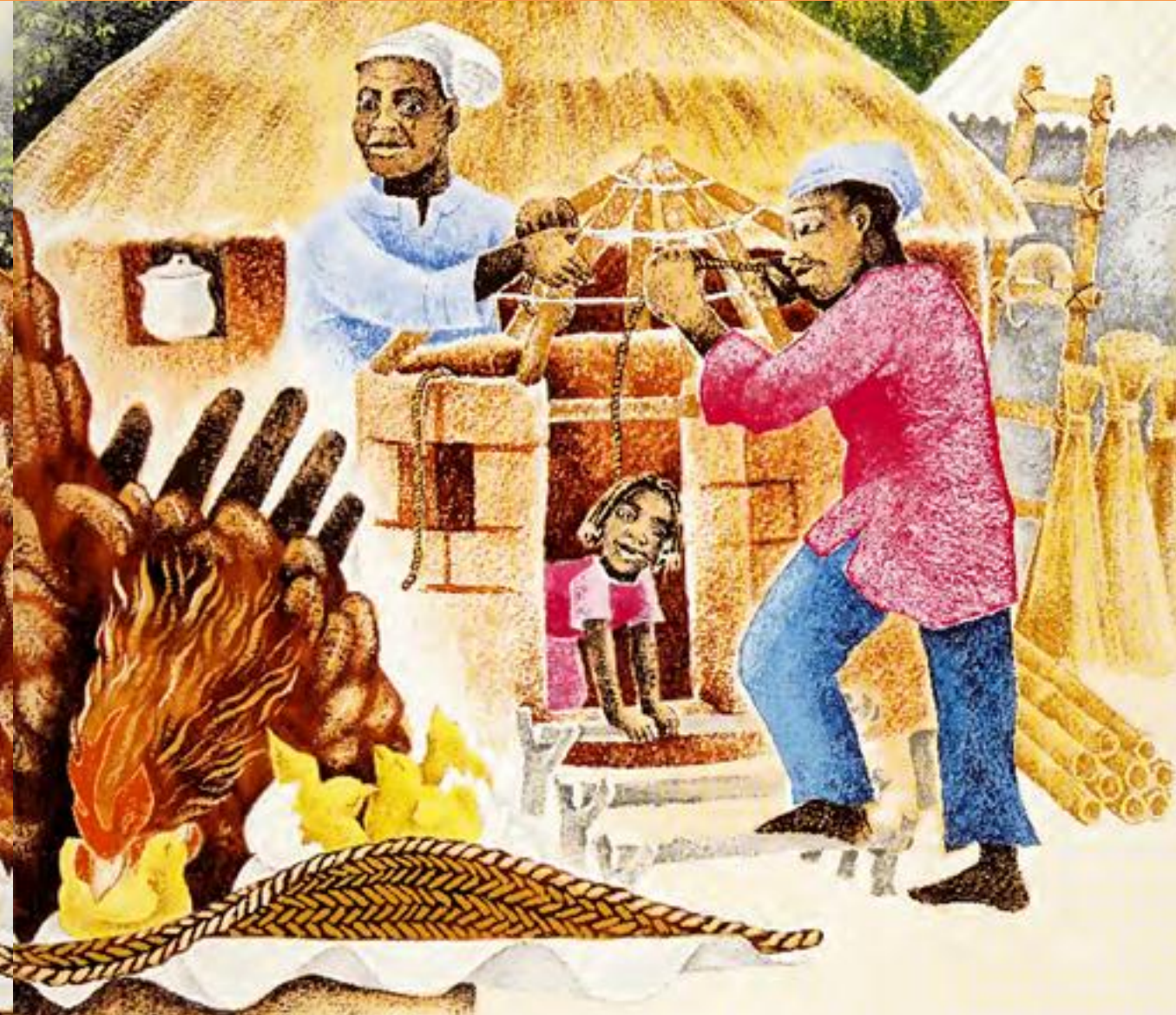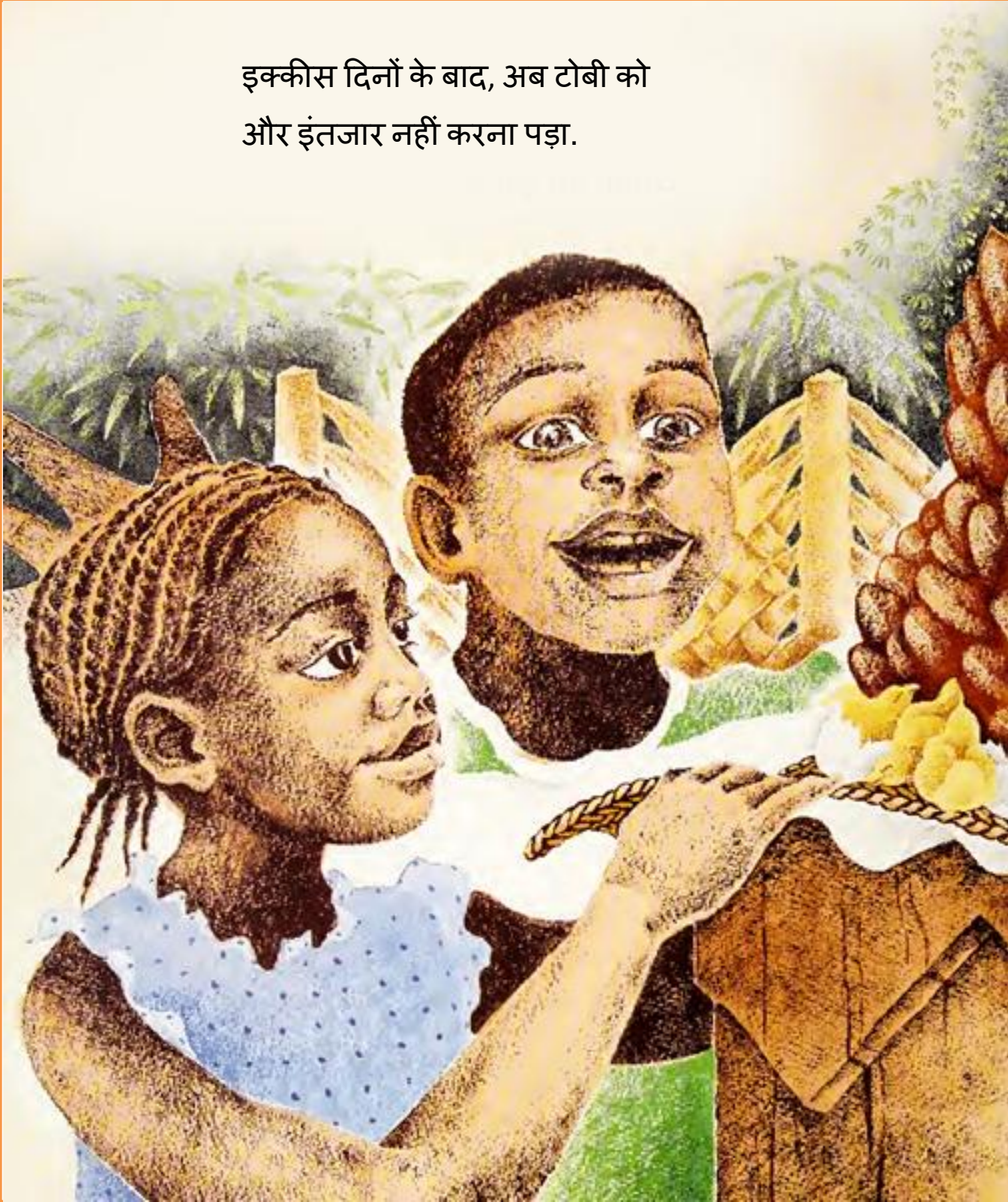
और अब उसकी मुर्गी भी को और इंतजार नहीं करना पड़ा.
फिर उन दोनों ने, बड़े गर्व से सात सुंदर चूजों को अंडों में से
निकलते हुए देखा.
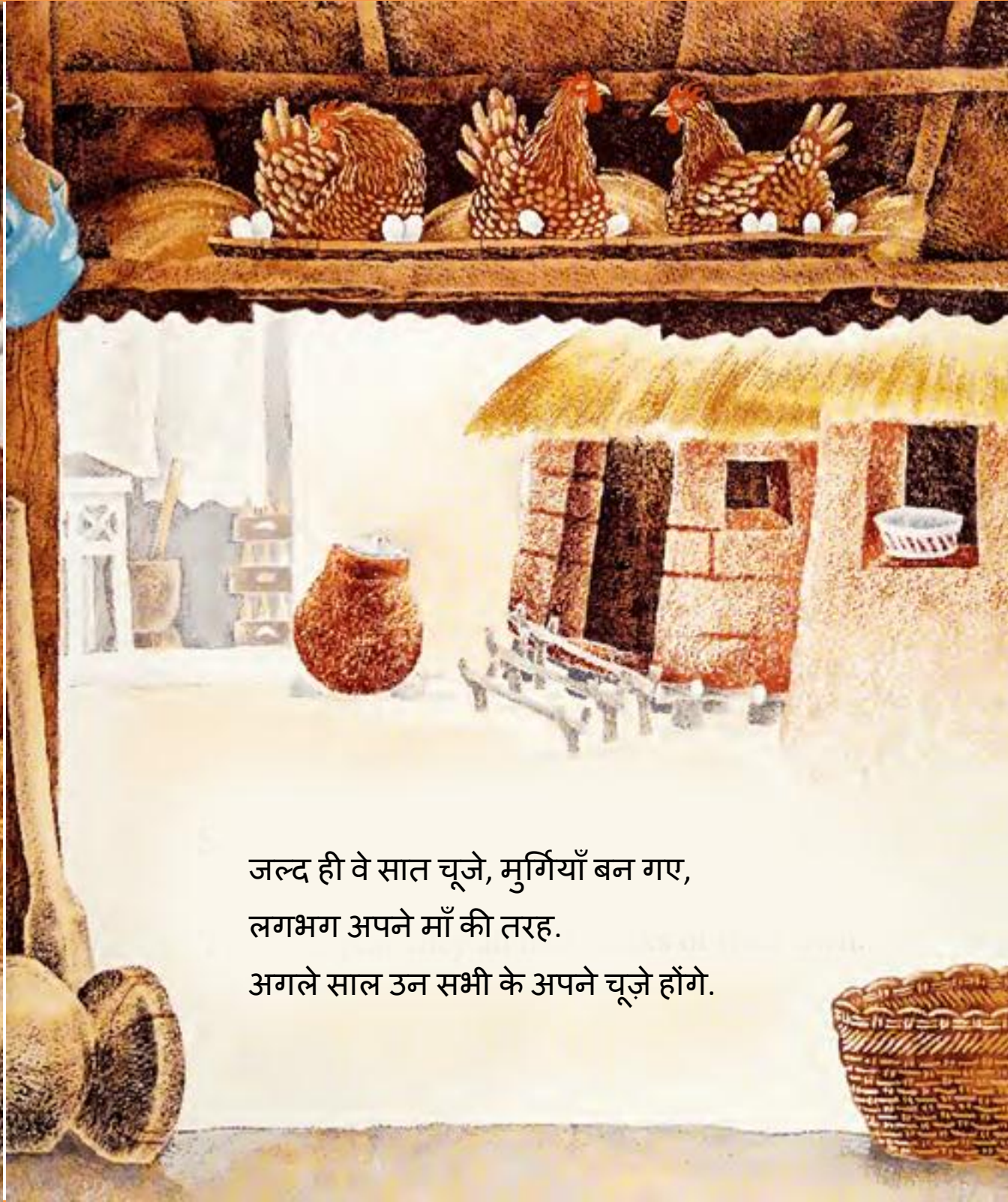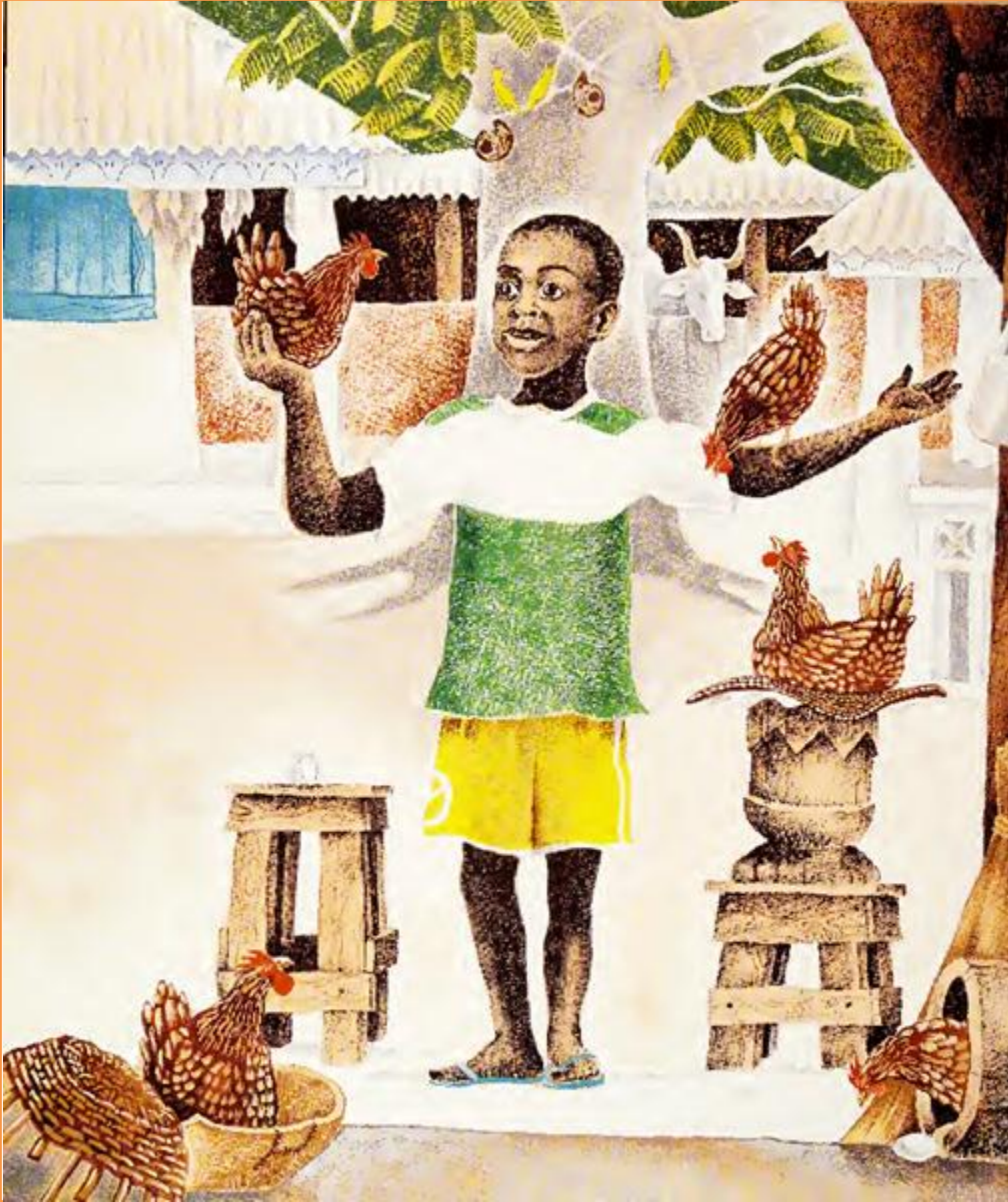
जल्द ही वे सात चूजे, मुर्गियाँ बन गए,
लगभग अपने माँ की तरह.
अगले साल उन सभी के अपने चूज़े होंगे.
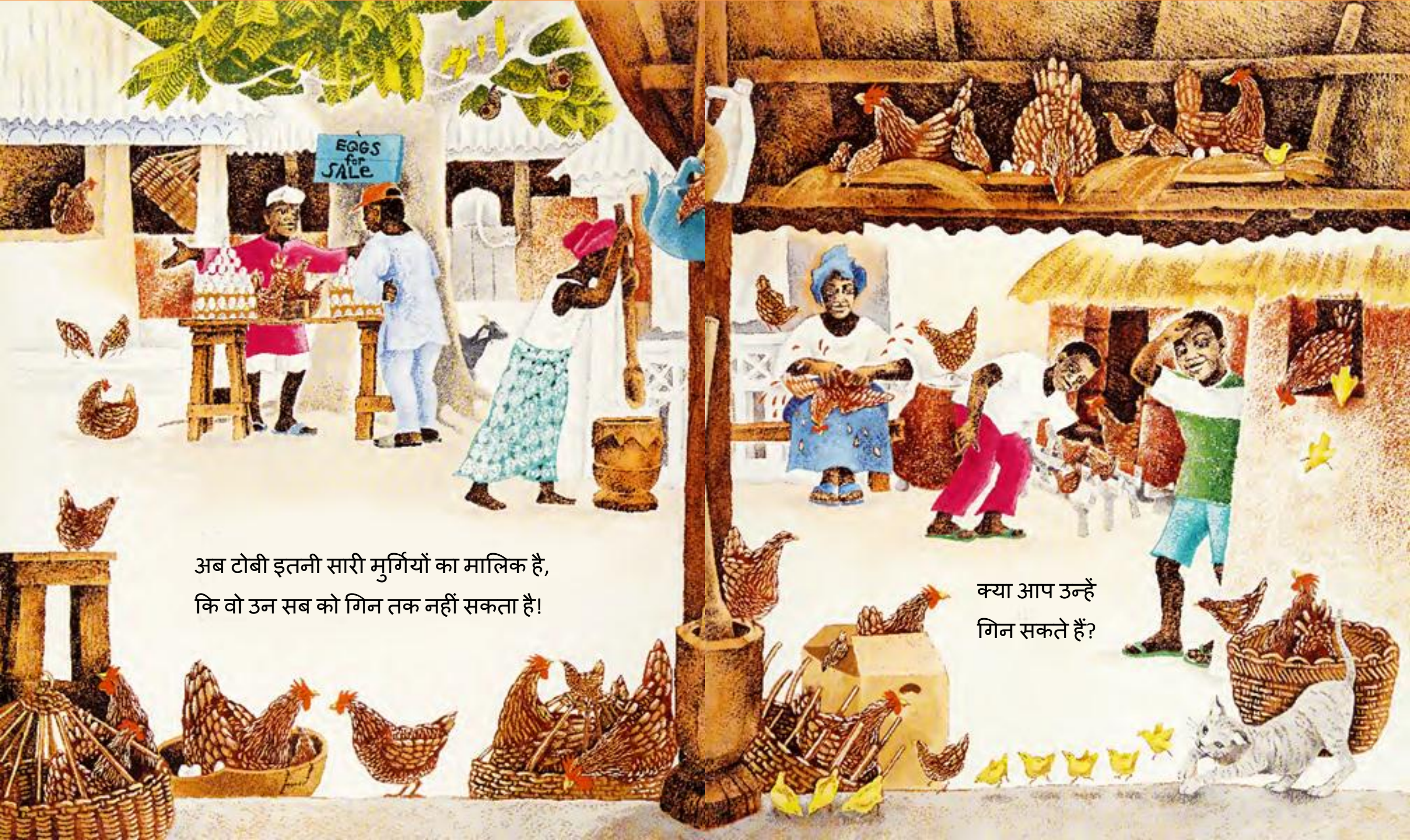
अब टोबी इतनी सारी मुर्गियों का मालिक है,
कि वो उन सब को गिन तक नहीं सकता है!

क्या आप उन्हें
गिन सकते हैं?

कुल 50 मुर्गियाँ!